International Research Journal of Humanities, Language and Literature
ISSN: (2394-1642)
Impact Factor 7.972 Volume 11, Issue 6, June 2024
Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
Website-www.aarf.asia, Email : editor@aarf.asia , editoraarf@gmail.com

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के लैंगिक एवं विशय वर्ग की उपलब्धि अभिप्रेरणा का मूल्यों क सन्दर्भ में अध्ययन

***क्षमा रानी **डा0 संजीव कुमार**

* "ोधार्थी, शिक्षा विभाग, कॉलिज ऑफ ऐजूके"ान, आई०आई०एम०टी० वि"वविद्यालय मेरठ (उ.प्र.), भारत।

** आचार्य, शिक्षा विभाग, कॉलिज ऑफ ऐजूके"ान, आई०आई०एम०टी० वि"वविद्यालय मेरठ (उ.प्र.), भारत।

सारां"ा

शोधार्थी द्वारा "माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा, मूल्य तथा व्यक्तित्व आवश्यकताओं के विभिन्न स्तरों का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के सन्दर्भ में अध्ययन" शीर्षक पर शोध कार्य किया गया है। यह शोध कार्य मेरठ मण्डल के चार जनपदों में स्थित माध्यमिक विद्यालयों के 512 छात्रों पर किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में चयनित न्याद"ार्ा को बालक एवं बालिका तथा मानविकी एवं विज्ञान वर्गों में वर्गीकृत किया गया। शोध–अध्ययन की व्यापकता को देखते हुये प्रस्तुत शोध पत्र में केवल उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं मूल्यों से सम्बन्धित परिकल्पनाओं व उनके परिणामों को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन की प्राप्ति यह रही है कि छात्रों के लैंगिक आधारित वर्गीकृत समूह में उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान होती है जबकि विषय वर्ग आधारित मानविकी एवं विज्ञान समूह के छात्रों में विज्ञान वर्ग के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा मानविकी वर्ग के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से उच्च होती है। लैंगिक आधार पर छात्र समूहों में धार्मिक, प्रजातांत्रिक, आर्थिक एवं ज्ञान मूल्यों में अन्तर पाया गया जबकि विषय वर्ग मानविकी एवं विज्ञान समूहों के छात्रों में मूल्यों में कोई अन्तर नहीं पाया गया।

मुख्य शब्दः उपलब्धि अभिप्रेरणा, मूल्य, छात्र वर्ग समूह।

प्रस्तावना

शिक्षा एक जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है तथा प्रत्येक क्रिया के पीछे एक बल कार्य करता है जिसे हम प्रेरक बल कहते हैं। इस संदर्भ में अभिप्रेरणा एक बल है जो प्राणी को कोई निश्चित व्यवहार या निश्चित दिशा में चलने के लिये बाध्य करती है। अभिप्रेरणा अधिगम का आवश्यक अंग है इसके द्वारा किसी क्रिया को सीखने के लिए बालक में उत्साह उत्पन्न किया जा सकता है। जिस प्रकार ''घोड़े को पानी तक ले जा सकते है परंतु उसे पानी पीने के लिये विवश नहीं कर सकते।'' ठीक उसी प्रकार बालक को f"ाक्षा प्रदान करने हेतु विद्यालय मे प्रवे"ा तो दिलाया जा सकता है परन्तु अधिगम प्राप्त करने हेतु उसे केवल अभिप्रेरित किया जा सकता है, बलात् रूप से सिखाया नहीं जा सकता है। अतः अभिप्रेरणा की आवश्यकता है जिससे अधिगमार्थी सीखने में रूचि लेने लगे। मानव मूल्य एक ऐसी आचार संहिता है, जिसे मानव, संस्कारों, परिवेश–पर्यावरण के माध्यम से ग्रहण कर इच्छित लक्ष्य हेतु जीवन पद्धति निर्माण कर सर्वांगीण विकास करता है। मूल्यों में धारणायें, विचार, विश्वास, मनोवृत्ति, आस्था भी समाहित है। मूल्य व्यक्ति के अन्तःकरण द्वारा नियंत्रित और व्यक्ति की संस्कृति द्वारा पोषित होते हैं। मूल्य f"ाक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास एवं शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। यह कहना अति"योक्ति नहीं होगा कि f"ाक्षा एवं मूल्य एक दूसरे के संपूरक हैं। टैगोर तथा गांधी जी ने छात्रों के व्यक्तित्व के विकास के लिए शिक्षण संस्थाओं में रचनात्मक वातावरण के निर्माण पर बल दिया है। स्कूल वातावरण का बालकों पर बहुत प्रभाव पडता है। स्कूल कहाँ स्थित है? उसकी कार्य पद्धति, परम्परायें व आदर्श क्या हैं? अध्यापक, छात्र एवं माता–पिता कैसे हैं? दूसरे शब्दों में स्कूल की प्रकृति क्या है? जहाँ उच्च आदर्श स्कूल को संचालित करते हैं, जहाँ अध्यापक निष्ठापूर्वक अपना कर्त्तव्य निभाते हैं, जहाँ छात्र–छात्राओं, माता–पिता, अध्यापक व समुदाय में आपसी सम्मान, स्नेह और प्यार होता है, वहाँ छात्रों के व्यक्तित्व, बुद्धि व आदर्शों का स्वतः ही पर्याप्त विकास होगा, अर्थात् छात्रों का वहाँ ही सर्वांगीण विकास सम्भव है। अतः शिक्षण संस्थाओं को

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

वर्तमान सन्दर्भ को ध्यान में रखकर छात्रों का सर्वांगीण विकास करना अपना लक्ष्य बनाना चाहिए। विज्ञान और कला वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के बीच तथा ग्रामीण एवं शहरी छात्रों और पुरूष एवं महिला छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के बीच महत्वपूर्ण अन्तर पाया गया जो यह संकेत करता है कि छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा में लिंग और अकादमिक प्रमुख महत्वपूर्णभूमिका निभाते हैं– शेखर चन्द्र और चौधरी प्रिया (2017)। **मिश्रा आरती व वर्मा संगीता (2023)** ने अपने शोध कार्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन में पाया कि अ"ाासकीय विद्यालय के छात्राओं की उपलब्धि प्रेरणा उच्च स्तर की होती है।

अतः शोधार्थी ने शोध समस्या **''माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा, मूल्य एवं व्यक्तित्व आवश्यकताएओं, के विभिन्न स्तरों पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन''** पर शोध कार्य किया। प्रस्तुत शोध पत्र में शोध–अध्ययन की व्यापकता को देखते हुये केवल उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं मूल्यों से सम्बन्धित परिकल्पनाओं व उनके परिणामों को प्रस्तुत किया गया है।

महत्वपूर्ण पदों की परिभाषा

1. **माध्यमिक विद्यालय के छात्रः**– माध्यमिक विद्यालय के छात्र से अभिप्राय उन छात्रों से है जो मेरठ मण्डल के किसी जनपद में भारत सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 11 व 12 में शिक्षा ग्रहण करते हैं।
2. **मूल्यः**– प्रस्तुत अध्ययन में उपकरण में प्रयुक्त सभी दसों आयामों यथा– (1) धार्मिक मूल्य, (2) सामाजिक मूल्य, (3) प्रजातांत्रिक मूल्य, (4) सौन्दर्यात्मक मूल्य, (5) आर्थिक मूल्य, (6) ज्ञान मूल्य, (7) आनन्दिक मूल्य, (8) शक्ति मूल्य (9) पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य तथा (10) स्वास्थय मूल्य को सम्मिलित किया गया है।
3. **विभिन्न स्तरः** विभिन्न स्तर से अभिप्राय व्यक्तित्व आवश्यकता के उस उच्च एवं निम्न स्तर से है जो सम्बन्धित समूह के मध्यमान से उच्च एवं निम्न अंक क्रमशः प्राप्त करते हैं।
4. **शैक्षिक उपलब्धिः** शैक्षिक उपलब्धि से अभिप्राय यह है कि चयनित नयाद"ाीं के कक्षा 11वीं के परीक्षाफल में प्राप्तांकों को उनकी शैक्षिक उपलब्धि के रूप में प्रमाणिक माना गया है।

अध्ययन के प्राप्य उद्देश्यः

शोध–अध्ययन में उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं मूल्यों से सम्बन्धित प्राप्य उद्देश्य निम्नलिखित प्रकार से रहे–

1. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के विभिन्न स्तरों का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मूल्यों के विभिन्न स्तरों का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाः

1 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

उपरोक्त परिकल्पना संख्या–1 के आलोक में शोधार्थिनी द्वारा निम्नलिखित दो उपपरिकल्पनाओं का निर्माण किया गया–

1.1 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

1.2 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों मूल्यों में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

उपरोक्त परिकल्पना संख्या–2 के आलोक में शोधार्थिनी द्वारा दो समूह वर्गों यथा बालक एवं बालिका विद्यार्थी समूह तथा विज्ञान एवं कला वर्ग विद्यार्थी समूह के आधार पर निम्नलिखित उपपरिकल्पनाओं का निर्माण किया गया–

2.1 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.2 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.3 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के प्रजातांत्रिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.4 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.5 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.6 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.7 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के आनन्दिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.8 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.9 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.10 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.11 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.12 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.13 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के प्रजातांत्रिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.14 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.15 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.16 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.17 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के आनन्दिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.18 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.19 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

2.20 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग एवं मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

अध्ययन की परिसीमाएं:

1. शोध अध्ययन को केवल मेरठ मण्डल के विभिन्न जनपदों में संचालित माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 व 12 के बालिकाएं एवं बालकों के कला एवं विज्ञान दोनों प्रकार के केवल 512 छात्रों तक सीमित किया गया है।

अध्ययन की विधिः

प्रस्तुत अध्ययन में मुख्य रूप से "सर्वेक्षणात्मक विधि" को अपनाया गया है और इसमें विवरणात्मक शोध प्रारूप को अपनाया गया।

न्यादर्शः

प्रस्तुत अध्ययन के लिए (2x2) कारक प्ररचना पर आधारित बहुस्तरित दैव न्यादर्श विधि द्वारा ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में स्थित माध्यमिक विद्यालयों से अलग–अलग विज्ञान व कला वर्ग के आधार पर 512 बालक छात्रों तथा बालिका छात्रों का चयन किया गया।

भाोध उपकरण

शोध अध्ययन में ब्बीना शाह द्वारा विकसित उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी एवं जी.पी. शेरी एवं आर.पी. वर्मा कृत मूल्य मापनी का उपयोग प्रमापीकृत शोध उपकरण के रूप में किया गया।

सांख्यिकीय मापकः

शून्य परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

प्राप्तियाँः

उप परिकल्पना संख्या 1.1 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं होगा" के परीक्षण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय वि"लेषण अग्रलिखित प्रकार से है–

तालिका–1

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्राप्तांकों के मध्यमानों की सार्थकता के अंतर का प्रद"र्न

क्र. सं.	विद्यार्थी वर्ग	कुल छात्र संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र.वि. (S.D.)	t–मान	सार्थकता
1	बालक	256	84.46	12.49	0.788	.05 स्तर पर असार्थक
2	बालिका	256	84.76	13.47		

उपरोक्त तालिका संख्या–1 के अवलोकन से विदित होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के परीक्षा हेतु प्राप्त टी–मान 0.788 स्वतंत्रता के अं"ा 510 हेतु .05 स्तर पर अपने तालिका मान 1.96 से कम होने के कारण असार्थक है अतः इस सम्बन्ध में बनाई गई परिकल्पना संख्या–1.1 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं होगा" स्वीकृत की गई। जिसका अभिप्रायः है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान होती है।

उप परिकल्पना संख्या 1.2 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं होगा" के परीक्षण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय वि"लेषण अग्रलिखित प्रकार से है–

तालिका–2

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्राप्तांकों के मध्यमानों की सार्थकता के अंतर का प्रद"र्न

क्र.सं.	विद्यार्थी वर्ग	कुल संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र.वि. (S.D.)	t–मान	सार्थकता
1	मानविकी	256	83.06	13.52	0.006	.05 स्तर पर असार्थक
2	विज्ञान	256	86.15	12.24		

उपरोक्त तालिका संख्या–2 के अवलोकन से विदित होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्राप्तांक के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता

के परीक्षा हेतु प्राप्त टी–मान 0.006 स्वतंत्रता के अं"ा 510 हेतु .05 स्तर पर अपने तालिका मान 1.96 से अत्यधिक कम होने के कारण असार्थक है अतः इस सम्बन्ध में बनाई गई परिकल्पना संख्या–1.2 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर नहीं होगा" स्वीकृत की गई अर्थात माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान होती है तथा शैक्षिक उपवर्ग के आधार पर विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में अन्तर नहीं होता है। यद्यपि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का मध्यमान मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से अधिक है जिसके आधार पर यह माना जा सकता है कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्रों की उलब्धि अभिप्रेरणा मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से उच्च होती है।

मुख्य परिकल्पना संख्या–2 के आलोक में बालक एवं बालिका छात्र समूह से सम्बन्धित विभिन्न दस शून्य परिकल्पनाओं के टी परीक्षण मूल्य व उनके परिणाम का प्रद"ार्न निम्न तालिका–3 में किया गया है :–

तालिका–3

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों क मूल्यों पर प्राप्तांकों के मध्यमानों की सार्थकता के अंतर का प्रद"ान

क्र. सं.	मूल्य	बालक वर्ग (256)		बालिका वर्ग (256)		टी–मान	सार्थकता
		मध्यमान	प्र. वि.	मध्यमान	प्र.वि.		
1	धार्मिक	13.09	2.34	14.42	2.05	2.474	.05 पर सार्थक
2	समाजिक	12.85	2.01	13.49	1.69	0.0001	.05 पर असार्थक
3	प्रजातांत्रिक	12.76	1.95	13.48	1.62	7.46	.01 पर सार्थक
4	सौन्दर्यात्मक	12.56	1.94	13.19	1.68	.0001	.05 पर असार्थक
5	आर्थिक	12.41	2.20	13.61	1.85	2.7456	.01 पर सार्थक
6	ज्ञान	12.17	1.93	13.19	1.89	2.52	.05 पर सार्थक
7	आन्दिक	11.05	2.01	11.71	1.13	.0004	.05 पर असार्थक
8	शक्ति	10.98	1.98	11.59	2.07	.006	.05 पर असार्थक
9	परिवारिक प्रतिष्ठा	12.50	2.07	13.26	1.93	1.88	.05 पर असार्थक
10	स्वास्थ्य	13.04	2.15	13.91	1.99	2.498	.05 पर सार्थक

तालिका संख्या–3 के अवलोकन से विदित होता है कि धार्मिक, प्रजातांत्रिक, आर्थिक, ज्ञान एवं स्वास्थ्य मूल्यों के सापेक्ष प्राप्त टी–मान .05 एवं .01 स्तर पर अपने तलिका मान स्वतंत्रता के अं"ा 510 हेतु 1.96 तथा 2.58 से क्रम"ाः उच्च होने के कारण सार्थक हैं अतः इन मूल्यों से सम्बन्धित निर्मित परिकल्पनाएँ अस्वीकृत की गईं। जबकि सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, आनन्दिक, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों से सम्बन्धित टी–मान .05 स्तर पर अपने तलिका मान स्वतंत्रता के अं"ा 510 हेतु 1.96 कम होने के कारण असार्थक हैं अतः इन मूल्यों से सम्बन्धित निर्मित परिकल्पनाएँ स्वीकृत की गईं।

तालिका–4

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों क मूल्यों पर प्राप्तांकों के मध्यमानों की सार्थकता के अंतर का प्रद"र्न

क्र. सं.	मूल्य	मानविकी वर्ग (256)		विज्ञान वर्ग (256)		टी–मान	सार्थकता
		मध्यमान	प्र.वि.	मध्यमान	प्र.वि.		
1	धार्मिक	13.74	2.39	13.78	2.21	0.863	.05 पर असार्थक
2	समाजिक	13.10	2.01	13.24	1.82	0.399	.05 पर असार्थक
3	प्रजातांत्रिक	13.10	1.85	13.14	1.81	0.847	.05 पर असार्थक
4	सौन्दर्यात्मक	12.94	1.83	12.81	1.85	0.429	.05 पर असार्थक
5	आर्थिक	13.00	2.10	13.00	2.14	1.000	.05 पर असार्थक
6	ज्ञान	12.74	2.00	12.62	1.96	0.489	.05 पर असार्थक
7	आन्दिक	11.57	2.24	11.20	2.01	0.049	.05 पर असार्थक
8	शक्ति	11.32	2.12	11.25	1.90	0.709	.05 पर असार्थक
9	परिवारिक प्रतिष्ठा	12.96	2.11	12.80	1.96	0.386	.05 पर असार्थक
10	स्वास्थ्य	13.57	2.03	13.38	2.20	0.318	.05 पर असार्थक

तालिका संख्या–4 के अवलोकन से विदित होता है कि सभी दस मूल्यों के सापेक्ष प्राप्त टी–मान .05 स्तर पर अपने तलिका मान स्वतंत्रता के अं"ा 510 हेतु 1.96 से कम हैं अतः सभी दस शूल्य परिकल्पनाएँ स्वीकृत की गई जिसका अर्थापन है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के मूल्यों में कोई अन्तर नहीं होता है।

परिणाम व्याख्याः

1. अध्ययन उद्दे"य–1 के सम्बन्ध में बनायी गयी शून्य उप–परिकल्पना–1.1 स्वीकृत की गयी जिसका अर्थ है कि माध्यमिक विद्यालय के बालक एवं बालिका समूह के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई अन्तर नही पाया गया अर्थात दोनों समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान पायी गयी।
2. अध्ययन उद्दे"य–1 के सम्बन्ध में बनायी गयी शून्य उप–परिकल्पना–1.2 स्वीकृत की गयी जिसका अर्थ है कि माध्यमिक विद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान समूह के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में कोई अन्तर नही पाया गया अर्थात दोनों समूह की उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान पायी गयी। यद्यपि बालिका समूह के उच्च मध्यमान के आधार पर कहा जा सकता है कि बालिकाओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा बालकों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से उच्च होती है।
3. अध्ययन उद्दे"य–2 के सम्बन्ध में बनायी गयी शून्य उप–परिकल्पना–2.1, 2.3, 2.5, 2.6, एवं 2.10 अस्वीकृत की गई जबकि 2.2, 2.4, 2.7, 2.8, 2.9 स्वीकृत की गयी जिसका अर्थ है कि माध्यमिक विद्यालय के बालक एवं बालिका समूह के छात्रों के धार्मिक, प्रजातांत्रिक,अर्थिक, ज्ञान एवं स्वास्थ्य मूल्यों में अन्तर पाया जाता है ये सभी मूल्य बालक छात्रों की अपेक्षा बालिका छात्रों में उच्च होते हैं। जबकि सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, आनन्दिक, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों में दोनों समूहों में कोई अन्तर नहीं पाया गया।
4. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के मूल्यों में कोई अन्तर नहीं होता है।

सन्दर्भ सूची :

1- Aryana, M. (2010). Relationship Between Self-esteem and Academic AchievementAmongst Pre-University Students. Journal of Applied Sciences, 10(20), 2474-2477.

2- Barcena (2022). Study of Achievement Motivation in Relation to Academic Achievement in theContext of Basic Education.Copyright (c) 2022. Author (s). This is an open term of Creative CommonsAttribution License (CC BY *(PDF) Study of Achievement Motivation in Relation to Academic Achievement in the Context of Basic Education*.

3- Conley A. M. (2012). Patterns of motivation beliefs: combining achievement goal and expectancy-value perspectives. *J. Educ. Psychol.* 104 32–47.

4- Gakhar, S. C. (2003) *Effect of personal values and Socio-demographic variables on the acquisition of mathematical Concepts*. Recent Researches in Education and Psychology, 8(2), 31-34.

5- Halder Ujjwal Kumar (2019) *A study on the relation between personal value and academic achievement of higher secondary students.* Research Gate Vol. 08.

6- Nadaf Z.A. (2019). *A study on personal values, academic achievement, socio-economic status and locale among secondary school students*, International Journal of Advance and Innovative Research Volume 6, Issue 1 (XXVII): January - March, 2019 6 ISSN 2394 – 7780.

7- Sharma, H.L., Pooja, (2018). Effect of Cognitive Styles and Achievement Motivationof 9th Grade Students through Multi-media and Traditional InstructionalStrategies: An experimental Study. International Journal of Management, IT &Engineering, 8(12), 342-356.